



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक

WEEKLY

सं. 7]  
No. 7]

नई दिल्ली, फरवरी 11—फरवरी 17, 2018, शनिवार/माघ 22—माघ 28, 1939  
NEW DELHI, FEBRUARY 11—FEBRUARY 17, 2018, SATURDAY/MAGHA 22—MAGHA 28, 1939

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India  
(Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2018

**का.आ. 276.**—पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री सुप्रतिम बंधोपाध्याय (जन्म तिथि 17.01.1958) को पदभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए अथवा 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक अथवा अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) में पूर्णकालिक सदस्य (वित्त) के पद पर नियुक्त करती है।

[फा.सं. 190201/1/2014-पीआर]

मुदिता मिश्रा, निदेशक

**MINISTRY OF FINANCE****(Department of Financial Services)**New Delhi, the 15<sup>th</sup> February, 2018

**S.O. 276.**—In exercise of powers conferred by Section 4 of the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013), the Central Government hereby appoints Shri Supratim Bandopadhyay (D.O.B. 17.01.1958) as a Whole-Time Member (Finance) in the Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) for a period of five years from the date on which he enters upon his office, or till the age of 62 years, or until further orders, whichever is the earliest.

[F.No. 190201/1/2014-PR]

MUDITA MISHRA, Director

**उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय****(उपभोक्ता मामले विभाग)****(भारतीय मानक ब्यूरो)**

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 277.**—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं.	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्ष	भा मा सं (भाग/अनुभाग) : वर्ष
1.	6500028606	20171003	मेसर्स लक्ष्मी इलेक्ट्रिकल ड्रायव्स लिमिटेड 504, अविनाशि रोड, पीलामेडु, कोयम्बतूर - 641 004	ऊर्जा दक्ष प्रेरक मोटर - तीन फेजीय, स्क्रिपल केज	IS 12615 : 2011
2.	6500028707	20171011	मेसर्स फार्मेक्स पाइप प्रोडक्ट्स 4/197A, बोडीपालयम पोस्ट, मडुक्करै, कोयम्बतूर- 641 105	पेयजल आपूर्ति के लिए उच्च घनत्व वाले पॉलीएथिलीन पाइप्स	IS 4984 : 2016
3.	6590002416	20171024	मेसर्स तेजस सं. 114, 11 <sup>वां</sup> क्रॉस सडक, टाटाबाद, गाँधीपुरम, कोयम्बतूर - 641 012	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी - शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
4.	6590002517	20171027	मेसर्स तेजस सं. 114, 11 <sup>वां</sup> क्रॉस सडक, टाटाबाद, गाँधीपुरम, कोयम्बतूर - 641 012	चाँदी एवं चाँदी मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी - शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 2112 : 2014

[सं. सीएमडी/13 : 11]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

**MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION****(Department of Consumer Affairs)****(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)**

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 277.**—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedule:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address (Factory) of the Party	Title of the Standard	IS No. Part/ Sec. Year
1.	6500028606	20171003	M/s. Lakshmi Electrical Drives Limited, 504, Avinashi Road, Peelamedu, Coimbatore – 641 004	Energy Efficient Induction Motors- Three Phase, Squirrel Cage	IS 12615 : 2011
2.	6500028707	20171011	M/s. Farmex Pipe Products 4/197A, Bodipalayam Post, Madhukkarai, Coimbatore – 641 105	High Density Polyethylene Pipes for potable water supplies	IS 4984 : 2016
3.	6590002416	20171024	M/s. Tejas, No. 114, 11 <sup>th</sup> Cross Street, Tatabad, Gandhipuram, Coimbatore – 641 012	Gold and Gold Alloys, Jewellery/ Aertefacts- Fineness and Marking	IS 1417 : 2016
4.	6590002517	20171027	M/s. Tejas, No. 114, 11 <sup>th</sup> Cross Street, Tatabad, Gandhipuram, Coimbatore – 641 012	Silver and Silver Alloys, Jewellery/ Aertefacts- Fineness and Marking	IS 2112 : 2014

[No. CMD/13:11]

T. KALAIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 278.**—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/ माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्ष	भा मा सं (भाग/ अनुभाग) : वर्ष
1.	6500028808	20171103	मेसर्स लक्ष्मी वायर इंडस्ट्रीस यूनिट 2 SF 451/2, सी आर पी एफ रोड, कदिरनायकनपालयम, कोयम्बतूर – 641 017	1100 वोल्ट तक कार्यकारी वोल्टता के लिए पी वी सी रोधित केबल	IS 694 : 2010
2.	6590002618	20171106	मेसर्स ललिता तंगा मालिगै 18, न्यू मार्केट स्ट्रीट, तिरुप्पुर – 641 604	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016

3.	6500028909	20171107	मेसर्स वाटरटेक (इंडिया) प्रायवेट लिमिटेड यूनिट II पडुवमपल्ली गाँव, वगारयमपालयम पोस्ट, सुलूर तालुक, कोयम्बतूर – 641 659	पेय जल पूर्ति के लिए असुघट्टित पी वी सी पाइप	IS 4985 : 2000
4.	6500029010	20171113	मेसर्स अस्वा पम्पस 397-C, के.जी. लेआउट, पीलमेडू, कोयम्बतूर – 641 004	गहरे कुओं के लिए निम्नजनीय पम्पसेट	IS 14220 : 1994
5.	6500029111	20171124	मेसर्स विजया शिवा मिनरल एक्वा फार्म सं: 26, परायमकाट्टु वलसु, पसुवापट्टी पोस्ट, चेन्नमलै ब्लॉक, पेरुन्दुरै तालुक, ईरोड - 638051	पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	IS 14543 : 2016
6.	6590002719	20171127	मेसर्स रम्यम ज्वेलरी मार्ट 38, तडागम रोड, वेलान्डीपालयम, कोयम्बतूर – 641 025	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
7.	6590002820	20171127	मेसर्स रम्यम ज्वेलरी मार्ट 38, तडागम रोड, वेलान्डीपालयम, कोयम्बतूर – 641 025	चाँदी एवं चाँदी मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 2112 : 2014

[सं. सीएमडी/13 : 11]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 278.**—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedule:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address (Factory) of the Party	Title of the Standard	IS No. Part/ Sec. Year
1.	6500028808	20171103	M/s. Lakshmi Wire Industries Unit 2 SF451/2, CRPF Road, Kathirnaickanpalayam, Coimbatore – 641 017	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V	IS 694 : 2010
2.	6590002618	20171106	M/s. Lalitha Thanga Malikai 18, New Market Street, Tirupur – 641 604	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
3.	6500028909	20171107	M/s. Watertec (India) Private Limited-Unit.II Paduvampalli Village, Vagarayampalayam Post, Sulur Taluk, Coimbatore – 641 659	Unplasticized PVC Pipes for Potable Water Supplies - Specification	IS 4985 : 2000

4.	6500029010	20171113	M/s. Asvaa Pumps 397-C, K.G. Layout, Peelamedu, Coimbatore – 641 004	Openwell Submersible Pumpsets - Specification	IS 14220 : 1994
5.	6500029111	20171124	M/s. Vijaya Shiva Mineral Aqua Farm No:26, Parayankattu Valasu, Pasuvapatti Post, Chennimalai Block, Perundurai Tk, Erode - 638051	Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water) - Specification	IS 14543 : 2016
6.	6590002719	20171127	M/s. Ramyam Jewellery Mart, 38, Thadagam Road, Velandipalayam, Coimbatore – 641 025	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
7.	6590002820	20171127	M/s. Ramyam Jewellery Mart, 38, Thadagam Road, Velandipalayam, Coimbatore – 641 025	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 2112 : 2014

[No. CMD/13:11]

T. KALAIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 279.**—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/ माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्ष	भा मा सं (भाग/ अनुभाग) : वर्ष
1.	6500029212	20171201	मेसर्स मोयलन एग्रो पाइप्स एस एफ 183/2, करयनचेट्टी पालयम, वालपारै मुख्य सड़क, समतूर पोस्ट, कोयम्बतूर – 642 123	बोर/ नलकूपों के लिए अनम्यकृत पी वी सी जाली और आवरक पाइप	IS 12818 : 2010
2.	6590002913	20171204	मेसर्स तारा ज्वेलरी 61, विन्दा आर्केड, पश्चिम बश्याकरलु सड़क, आर एस पुरम, कोयम्बतूर- 641 002	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
3.	6500029305	20171207	मेसर्स सेलज़र इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड यूनिट III एस एफ सं. 67 1/1, सं 2. गूडलूर गाँव, सामिचेट्टीपालयम, कोयम्बतूर-641047	250 वोल्ट तक की रेटित वोल्टता वाले और 16 एम्पीयर तक की रेटित करंट वाले प्लग और सॉकेट निकास	IS 1293 : 2005
4.	6590003115	20171208	मेसर्स जी आर टी ज्वेलर्स (इंडिया) प्रायवेट लिमिटेड 381-384, पोन्नै वीथी, क्रॉस कट रोड, कोयम्बतूर – 641 012	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
5.	6590003014	20171208	मेसर्स श्री ज्वेलरी 41/9, पुराना बस अड्डा रोड, पेरुन्दुरै, ईरोड – 638 052	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016

6.	6500029406	20171208	मेसर्स स्टेन्डर्ड इजीनियरिंग इंडस्ट्रीस एस एफ सं. 88/86, इलन्गो नगर, के. आर. पुरम, आवारमपालयम, कोयम्बतूर – 641 006	निम्मजनीय पम्पसेट	IS 8034 : 2002
7.	6500029709	20171214	मेसर्स केस्केडा एंटरप्रायसेस एस एफ सं. 456/1, तिपली मेट्टु तोट्टम, नीलम्बूर बै-पास रोड, रावतुर रोड, इरुगुर, कोयम्बतूर – 641 103	पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	IS 14543 : 2016
8.	6500029507	20171214	मेसर्स आर्को ओटोमेशन 18-C, सिट्रा रोड, कालापट्टी, कोयम्बतूर - 641048	साफ, ठंडे पानी के लिए अपकेंद्रीय पुनरुत्पादक पम्प	IS 8472 : 1998
9.	6500029608	20171214	मेसर्स के एन पम्पस S-9, इलन्गो नगर, आवारमपालयम, गणपति पोस्ट, कोयम्बतूर – 641 006	साफ, ठंडे पानी के लिए अपकेंद्रीय पुनरुत्पादक पम्प	IS 8472 : 1998
10.	6590003317	20171222	मेसर्स जोतिश्री ज्वेलरी 127, पी वी कोइल सडक, उडुमलपेट – 642 126	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
11.	6590003216	20171222	मेसर्स जॉयआलुक्कास इंडिया प्रायवेट लिमिटेड सं. 89, कॉवेरी रोड, करुन्गलपालयम, ईरोड – 638 003	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
12.	6590003418	20171222	मेसर्स सन सिल्वर्स 20, डाली रोड, उडुमलपेट – 642 126	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016

[सं. सीएमडी/13 : 11]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 279.**—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedule:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address (Factory) of the Party	Title of the Standard	IS No. Part/ Sec. Year
1.	6500029212	20171201	M/s. Moyalan Agro Pipes SF 183/2, Karayanchetti Palayam, Valpari Main Road, Samathur (P.O.), Coimbatore – 642 123	Specification for unplasticized PVC screen and casing pipes for bore/tubewell	IS 12818 : 2010
2.	6590002913	20171204	M/s. Tara Jewellery 61, Vindra Arcade, West Bashyakarlu Road, R.S. Puram, Coimbatore – 641 002	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016

3.	6500029305	20171207	M/s. Salzer Electronics Limited Unit III SF.No.671/1, No.2.Gudalur Village, Samichettipalayam, Coimbatore-641047	Plugs and socket outlets of 250 volts and rated current up to 16 amperes	IS 1293 : 2005
4.	6590003115	20171208	M/s. GRT Jewellers (India) Pvt. Ltd. 381-384, Ponnay Veedhi, Cross Cut Road, Coimbatore – 641 012	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
5.	6590003014	20171208	M/s. Sri Jewellery 41/9, Old Bus Stand Road, Perundurai, Erode – 638 052	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
6.	6500029406	20171208	M/s. Standard Engineering Industries SF No 88/86, Elango Nagar K R Puram, Avarampalayam, Coimbatore – 641 006	Submersible Pumpsets - Specification	IS 8034 : 2002
7.	6500029709	20171214	M/s. Cascada Enterprises SF No. 456/1, Thipli Mettu Thottam, Neelambur Bypass Road, Ravathur Road, Irugur, Coimbatore – 641 103	Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water) - Specification	IS 14543 : 2016
8.	6500029507	20171214	M/s. Aarco Automation 18-C, Sitra Road, Kalapatti, Coimbatore - 641048	Centrifugal Regenerative Pumps for clear, cold water	IS 8472 : 1998
9.	6500029608	20171214	M/s. K N Pumps S-9, Elango Nagar, Avarampalayam, Ganapathy Post, Coimbatore – 641 006	Centrifugal Regenerative Pumps for clear, cold water	IS 8472 : 1998
10.	6590003317	20171222	M/s. Jothisree Jewellery 127, P.V. Koil Street, Udumalpet – 642 126	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
11.	6590003216	20171222	M/s. Joyalukkas India Private Limited No. 89, Cauvery Road, Karungalpalayam, Erode – 638 003	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
12.	6590003418	20171222	M/s. Sun Silvers 20, Dhali Road, Udumalpet – 642 126	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016

[No. CMD/13:11]

T. KALAIIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 280.**—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 4 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं:-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं.	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/ माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	भारतीय मानक का शीर्ष	भा मा सं (भाग/ अनुभाग) : वर्ष
1.	6590003519	20180103	मेसर्स बी एम तंगा मालिगै 6/6A, कोवै मुख्य सड़क, शक्ति विनायगर मंदिर बस अड्डे के सामने, मेट्टूपालयम – 641 301	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
2.	6590003713	20180104	मेसर्स सुमंगली ज्वेलर्स 318, राजा स्ट्रीट, पहला माला, कोयम्बतूर – 641 001	चाँदी एवं चाँदी मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 2112 : 2014
3.	6500029810	20180104	मेसर्स जयशक्ति मिनरल्स 15/12B, अन्जुवल्लाकाडु, संगरा गौन्डन पालयम, वरतनल्लूर, भवानी, ईरोड – 638 311	पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	IS 14543 : 2016
4.	6590003620	20180104	मेसर्स श्री अन्नै ज्वेलर्स 103-A, एन एस आर रोड, साईबाबा कॉलनी, कोयम्बतूर – 641 011	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
5.	6500029911	20180108	मेसर्स प्रकाश एक्का इंडस्ट्रीस 166/1G, वेटैकारन कोविल के पास, तोन्डामुतुर, मादमपट्टी (पोस्ट), कोयम्बतूर-641010	पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	IS 14543 : 2016
6.	6590003814	20180111	मेसर्स आर वी ज्वेलर्स 442, बिग बज़ार स्ट्रीट, कोयम्बतूर – 641 001	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
7.	6500030092	20180111	मेसर्स अर्जुना पॉली एक्स्ट्रूशन 1/140, पूलाकट्टुपालयम, गौन्डमपालयम, अविनाशि, तिरुप्पुर – 641654	विद्युत प्रतिष्ठापन के लिए वाहिका- भाग 3- सख्त एवं सादा विद्युत अवरोधी वाहिका	IS 9537 : Part 3 : 1983
8.	6590003915	20180111	मेसर्स मुल्लै ज्वेलर्स 68, 7 <sup>वाँ</sup> स्ट्रीट, टाटाबाद, गाँधीपुरम, कोयम्बतूर- 641012	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016
9.	6590004016	20180111	मेसर्स मुल्लै ज्वेलर्स 66 E & F, डॉ आर वी टावर्स, वी सी टी वी मुख्य सड़क, कर्मशियल काम्प्लेक्स, ईरोड - 638011	स्वर्ण एवं स्वर्ण मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 1417 : 2016



10.	6590004117	20180111	मेसर्स मुल्लै ज्वेलर्स 68, 7 <sup>वाँ</sup> स्ट्रीट, टाटाबाद, गाँधीपुरम, कोयम्बतूर- 641012	चाँदी एवं चाँदी मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 2112 : 2014
11.	6590004218	20180111	मेसर्स मुल्लै ज्वेलर्स 66 E & F, डॉ आर वी टाबर्स, वी सी टी वी मुख्य सड़क, कमर्शियल काम्प्लेक्स, ईरोड - 638011	चाँदी एवं चाँदी मिश्रधातुएं, आभूषण/ शिल्पकारी – शुद्धता एवं मुहरांकन	IS 2112 : 2014
12.	6500030193	20180112	मेसर्स श्री जे एम डी इंडस्ट्रीस एस एफ सं.429B, तन्नौर पन्दल, पीलमेडु, कोयम्बतूर - 641004	साफ, ठंडे पानी के लिए अपकेंद्रीय पुनरुत्पादक पम्प	IS 8472 : 1998
13.	6500030294	20180112	मेसर्स वर्शिनी इंडस्ट्रीस 2/38, काटूर स्ट्रीट, कालापट्टी, कोयम्बतूर-641048	साफ, ठंडे पानी के लिए अपकेंद्रीय पुनरुत्पादक पम्प	IS 8472 : 1998
14.	6500030395	20180116	मेसर्स कैरा पम्प्स एण्ड सिस्टम 66, 4 <sup>थ</sup> क्रॉस, इलन्नो नगर, आवारमपालयम, गणपति, कोयम्बतूर-641006	साफ, ठंडे पानी के लिए अपकेंद्रीय पुनरुत्पादक पम्प	IS 8472 : 1998
15.	6500030496	20180116	मेसर्स एग्रो पम्प्स 1/451-A3, मुडलिपालयम, मुतुगौन्दनपुदुर पोस्ट, सुलूर तालुक, कोयम्बतूर - 641407.	गहरे कुओं के लिए निम्नजनीय पम्पसेट	IS 14220 : 1994
16.	6500030597	20180116	मेसर्स अन्ना पम्प्स 80-C, कामाधेनु नगर, आवारमपालयम, कोयम्बतूर - 641006.	गहरे कुओं के लिए निम्नजनीय पम्पसेट	IS 14220 : 1994
17.	6500030698	20180125	मेसर्स धरनी रूफिंग प्लैंट (प्रा) लिमिटेड 236/2, ऊरट्टुकुप्पै गाँव, मदुक्करै (तालुक), चेट्टीपालयम, कोयम्बतूर-641201	खोखले इस्पात के खंड रचनात्मक प्रयोग के लिए	IS 4923 : 2017
18.	6500030799	20180125	मेसर्स धरनी रूफिंग प्लैंट (प्रा) लिमिटेड 236/2, ऊरट्टुकुप्पै गाँव, मदुक्करै (तालुक), चेट्टीपालयम, कोयम्बतूर-641201	यांत्रिकीय और सामान्य इंजीनियरिंग उद्देश्य के लिए इस्पात नलिकाएँ	IS 3601 : 2006
19.	6500030803	20180131	मेसर्स सौमीका मिनरल्स एस एफ सं. 74,75, वक्कननकाटु तोट्टुम, सी. एस. नगर के पीछे, वीरप्पनचत्रम (डाक), ईरोड -638004	पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	IS 14543 : 2016

[सं. सीएमडी/13 : 11]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 280.**—In pursuance of sub-regulation (5) of the regulation 4 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licence particulars of which are given in the following schedule:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No.	Grant Date	Name and Address (Factory) of the Party	Title of the Standard	IS No. Part/ Sec. Year
1.	6590003519	20180103	M/s. V M Thangamaligai 6/6A, Covai Main Road, Sakthi Vinayagar Temple (Opp.) Bus Stand, Mettupalayam – 641 301	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
2.	6590003713	20180104	M/s. Sumangali Silvers 318, Raja Street, 1 <sup>st</sup> Floor, Coimbatore – 641 001	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 2112 : 2014
3.	6500029810	20180104	M/s. Jaisakthi Mineralss 15/12B, Anjuvallakkadu, Sangara Goundan Palayam, Varathanallur, Bhavani, Erode – 638 311	Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water) - Specification	IS 14543 : 2016
4.	6590003620	20180104	M/s. Sree Annai Jewels 103-A, N.S.R. Road, Saibaba Colony, Coimbatore – 641 011	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
5.	6500029911	20180108	M/s. Prakash Aqua Industries 166/1G, Near Vettaikaran Kovil, Thondamuthur, Mathampatti (P.O.), Coimbatore-641010	Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water) - Specification	IS 14543 : 2016
6.	6590003814	20180111	M/s. R.V. Jewellers 442, Big Bazaar Street, Coimbatore – 641 001	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
7.	6500030092	20180111	M/s. Arjuna Poly Extrusion 1/140, Poolakattupalayam, Goundampalayam, Avinashi, Tirupur-641654.	Conduits for electrical installations: Part 3 Rigid plain conduits of insulating materials	IS 9537 : Part 3 : 1983
8.	6590003915	20180111	M/s. Mullai Jewellers 68, 7 <sup>th</sup> Street, Tatabad, Gandhipuram, Coimbatore - 641012	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
9.	6590004016	20180111	M/s. Mullai Jewellers 66 E & F, Dr. R.V. Towers, VCTV Main Road, Commercial Complex, Erode - 638011	Gold and Gold Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 1417 : 2016
10.	6590004117	20180111	M/s. Mullai Jewellers 68, 7 <sup>th</sup> Street, Tatabad, Gandhipuram, Coimbatore - 641012	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 2112 : 2014
11.	6590004218	20180111	M/s. Mullai Jewellers 66 E & F, Dr. R.V. Towers, VCTV Main Road, Commercial Complex, Erode - 638011	Silver and Silver Alloys, Jewellery/Artefacts - Fineness and Marking - Specification	IS 2112 : 2014

12.	6500030193	20180112	M/s. Sri J.M.D. Industries, SF No.429B, Thanneer Pandal, Peelamedu, Coimbatore - 641004	Centrifugal Regenerative Pumps for clear, cold water	IS 8472 : 1998
13.	6500030294	20180112	M/s. Varshini Industries 2/38, Kattoor Strret, Kalapatti, Coimbatore-641048	Centrifugal Regenerative Pumps for clear, cold water	IS 8472 : 1998
14.	6500030395	20180116	M/s. Kyra Pumps & System 66, 4 <sup>th</sup> Cross, Elango Nagar, Avaram Palayam, Ganapathy, Coimbatore-641006	Centrifugal Regenerative Pumps for clear, cold water	IS 8472 : 1998
15.	6500030496	20180116	M/s. Agro Pumps 1/451-A3, Mudalipalayam, Muthugoundanpudur Post, Suler Tk, Coimbatore - 641407.	Openwell Submersible Pumpsets - Specification	IS 14220 : 1994
16.	6500030597	20180116	M/s. Anna Pumps 80-C, Kamadenu Nagar, Avarampalayam, Coimbatore - 641006.	Openwell Submersible Pumpsets - Specification	IS 14220 : 1994
17.	6500030698	20180125	M/s. Dharranee Roofing Plant (P) Limited 236/2, Oorattukuppai Village, Madukkarai(Tk), Chettipalayam, Coimbatore-641201	Hollow steel sections for structural use	IS 4923 : 2017
18.	6500030799	20180125	M/s. Dharranee Roofing Plant (P) Limited 236/2, Oorattukuppai Village, Madukkarai(Tk), Chettipalayam, Coimbatore-641201	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes	IS 3601 : 2006
19.	6500030803	20180131	M/s. Sowmika Minerals SF No. 74,75, Vakkanankattu Thottam, C. S. Nagar Back Side, Veerappanchatram (Post) , Erode -638004	Packaged Drinking Water (other than Packaged Natural Mineral Water) - Specification	IS 14543 : 2016

[No. CMD/13:11]

T. KALAIIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 281.—** भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द/स्थगित कर दिया गया है :-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं. सी एम/ एल-	लाइसेंसधारी का नाम व पता	स्थगित किए गए/ रद्द किए गए लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/ प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द होने की तिथि
1.	4658681	मेसर्स सी आर मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड 79/2, दूसरा माला, के सी आर्केड, टी. वी. स्वामी रोड, आर एस पुरम, कोयम्बतूर -641002	IS 12615 : 2011 ऊर्जा दक्ष प्रेरक मोटर – तीन फेजीय, स्क्रिबल केज	19/10/2017

[सं. सीएमडी/13:13]

टी. कलैवानन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 281.**—In pursuance of sub-regulation (6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which are given below have been cancelled/suspended with effect from the date indicated against each:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. CM/L-	Name & Address of the Licensee	Article/ Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled/ suspension	Date of Cancellation
1.	4658681	M/s. CR MOTORS PRIVATE LIMITED 79/2, II FLOOR, K.C. ARCADE, T.V. SAMY ROAD, R.S. PURAM, COIMBATORE-641002	IS 12615 : 2011 Induction Motors – Energy Efficient, Three-Phase, Squirrel Cage	19/10/2017

[No. CMD/13:13]

T. KALAIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 282.**— भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द /स्थगित कर दिया गया है :-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं. सी एम/ एल-	लाइसेंसधारी का नाम व पता	स्थगित किए गए/ रद्द किए गए लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/ प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द होने की तिथि
1.	6500006297	मेसर्स ईशा क्लॉथिंग 14/93-A 7, गाँधी स्ट्रीट, अविनाशि ब्लॉक, राक्केय्या पालयम, अविनाशि तालुक, तिरुप्पुर -641654	IS 14543 : 2004 पैकेजबंद पेय जल (पैकेजबंद मिनरल जल के अलावा)	09/11/2017

[सं. सीएमडी/13:13]

टी. कलैवानन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 282.**—In pursuance of sub-regulation (6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which are given below have been cancelled/suspended with effect from the date indicated against each:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. CM/L-	Name & Address of the Licensee	Article/ Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled/ suspension	Date of Cancellation
1.	6500006297	M/s. ISHA CLOTHING 14/93-A 7, GANDHI STREET, AVINASHI BLOCK, RAKKIYA PALAYAM, AVINASHI TALUK, TIRUPUR -641654	IS 14543 : 2004 Packaged Drinking Water (Other Than Packaged Natural Mineral Water)	09/11/2017

[No. CMD/13:13]

T. KALAIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 283.—** भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द /स्थगित कर दिया गया है :-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं. सी एम/ एल-	लाइसेंसधारी का नाम व पता	स्थगित किए गए/ रद्द किए गए लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/ प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द होने की तिथि
दिसम्बर 2017 - शून्य				

[सं. सीएमडी/13:13]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 283.—**In pursuance of sub-regulation (6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which are given below have been cancelled/suspended with effect from the date indicated against each:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. CM/L-	Name & Address of the Licensee	Article/ Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled/ suspension	Date of Cancellation
DECEMBER 2017 - NIL				

[No. CMD/13:13]

T. KALAIIVANAN, Scientist 'G' &amp; Head

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2018

**का.आ. 284.—** भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के विनियम (5) के उपविनियम (6) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंसों को उनके आगे दर्शायी गई तारीख से रद्द /स्थगित कर दिया गया है :-

**अनुसूची**

क्र. सं.	लाइसेंस सं. सी एम/ एल-	लाइसेंसधारी का नाम व पता	स्थगित किए गए/ रद्द किए गए लाइसेंस के अंतर्गत वस्तु/ प्रक्रम सम्बद्ध भारतीय मानक का शीर्षक	रद्द होने की तिथि
जनवरी 2018 - शून्य				

[सं. सीएमडी/13:13]

टी. कलैवाणन, वैज्ञानिक 'जी' एवं प्रमुख

New Delhi, the 6th February, 2018

**S.O. 284.**—In pursuance of sub-regulation (6) of the regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the licence particulars of which are given below have been cancelled/suspended with effect from the date indicated against each:

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. CM/L-	Name & Address of the Licensee	Article/ Process with relevant Indian Standard covered by the licence cancelled/ suspension	Date of Cancellation
JANUARY 2018 - NIL				

[No. CMD/13:13]

T. KALAIVANAN, Scientist 'G' & Head

**श्रम एवं रोजगार मंत्रालय**

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 285.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार महाप्रबंधक, दूरसंचार जिला, नडियाड (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 364/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01.02.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/172/2000-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

**MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT**

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 285.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 364/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the General Manager, Telecom District, Nadiad (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 01.02.2018.

[No. L-40012/172/2000-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD**

**Present :**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 23<sup>rd</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No. 364/2004**

1. The General Manager,  
Telecom District, Nadiad (Gujarat)

2. The Divisional Railway Manager,  
D/o Telecom, Anand

...First Party

V/s

Shri Rayajibhai S. Patel,  
C/o Shri R.C. Pathak, 4, Deeplex Apartment, Nehru Park,  
Vastrapur, Ahmedabad (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri P.V. Kharsani

For the Second Party : Shri R.C. Pathak

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/172/2000-IR(DU) dated 27.12.2000 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the action of the Deptt. of Telecom in terminating the services of Shri Rayajibhai S. Patel w.e.f. 01.11.1994 is fair and justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

1. The reference dates back to 27.12.2000. Both the parties were served. The second party submitted the statement of claim Ex. 3 on 11.07.2001 before Industrial Tribunal, Ahmedabad along with the vakalatpatra Ex. 4 and the first party submitted the written statement Ex. 6 on 04.10.2005 along with the vakalatpatra Ex. 5 that too before the Industrial Tribunal, Ahmedabad.
2. The second party moved an application Ex. 7 on 17.09.2008 for production of documents by the first party mentioned therein and the first party submitted the reply Ex. 8 on 12.03.2009 stating that the documents are 5 years old, hence weeded out. Thereafter, the second party workman stopped to appear in this tribunal despite knowledge of the reference, therefore, a fresh notice Ex. 9 was sent to both the parties to appear on 28.04.2011. Shri P.V. Kharsani, advocate for the first party and Shri Chintan Gohel, advocate for the second party appeared in furtherance of the notice. On 26.09.2017, both the advocates of the respective parties agreed to dispose of the application Ex. 7 at the time of final argument of the reference. The case was fixed for 21.11.2017 for evidence of the second party. On 21.11.2017 and today on 23.01.2018, the second party failed to lead evidence and Shri Chintan Gohel, advocate for the second party stated in writing that the second party workman has not been in his contact, therefore, unable to lead evidence.
3. Thus it appears that the second party is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party with the observation as under: “the action of the Deptt. of Telecom in terminating the services of Shri Rayajibhai S. Patel w.e.f. 01.11.1994 can be said to be fair and justified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 286.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार जिला इंजीनियर टेलीग्राफ, भारतीय डाक और टेलीग्राफ विभाग, जामनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 621/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01.02.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/191/1993-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 286.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 621/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the District Engineer Telegraphs, Indian Post and Telegraphs Department, Jamnagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 01.02.2018.

[No. L-40012/191/1993-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD**Present :**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 19<sup>th</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No. 621/2004**

1. The District Engineer Telegraphs,  
India Post and Telegraphs Department,  
Jamnagar (Gujarat)
2. The Sub-Divisional Officer (Phones),  
Indian Post and Telegraphs Department,  
Jamnagar (Gujarat)

...First Party

V/s

The President,  
Saurashtra Employees Union,  
Umesh Commerical Complex, 213-214, 2<sup>nd</sup> Floor,  
Near Chaudhary High School,  
Rajkot (Gujarat)– 360001

...Second Party

For the First Party : Shri B.D. Thakkar

For the Second Party : Shri B.B. Gogia

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/191/93–IR(DU) dated 05.04.1995 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the management of Sub-Divisional Officer, Jamnagar in terminating the services of Shri Jadeja Amarsinh, Ex-casual labour is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

1. The reference dates back to 05.04.1995. The second party workman submitted the statement of claim Ex. 2 on 07.08.1996 while pending the matter in the Industrial Tribunal, Rajkot alongwith the vakalatpatra Ex. 4 and documents vide list Ex. 5 on the same day.
2. The first party submitted the written statement Ex. 6 on 07.08.1996 in the Industrial Tribunal, Rajkot alongwith the documents vide list Ex. 11. The Industrial Tribunal did not dispose of the reference in the absence of the evidence of the parties.
3. On creation of this tribunal and vide order number Z-22019/6/2007-IR (C-II) dated 19.10.2010 of the Ministry of Labour and Employment, Government of India, the reference was transferred to this tribunal, record was received in this tribunal on 02.11.2010. Both the parties appeared in this tribunal but since then the second party did not prefer to lead oral evidence despite giving dozen of opportunities to lead evidence.
4. Today on 19.01.2018, Advocate Kajal L. Kalwani, on behalf of the second party's legal heirs, as the second party has died, informs the tribunal that her legal heirs are not interested to contest the case.
5. Thus the reference is disposed of as not pressed.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 287.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निदेशक, मूंगफली रिजर्व निदेशालय, जूनागढ़ (गुजरात) एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में



निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 68/2014] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19.12.2017 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/36/2014-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 287.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 68/2014] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Director, Directorate of Groundnut Research, Junagadh (Gujarat) and their workman, which was received by the Central Government on 19.12.2017.

[No. L-42012/36/2014-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

### ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

#### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 22<sup>nd</sup> November, 2017

#### Reference: (CGITA) No. 68/2014

The Director,  
Directorate of Groundnut Research (DGR),  
Ivanagar, PB No. 5,  
Junagadh (Gujarat) – 362001

...First Party

#### V/s

Smt. Jayaben Bhimabhai Khania and others,  
Pura Plot, Village Ivanagar,  
Post – Timbawadi,  
Junagadh (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval

For the Second Party : Shri P.C. Chaudhary

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42012/36/2014-IR(DU) dated 21.07.2014 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Directorate of Groundnut Research (DGR), Junagadh in not granting the temporary status to Smt. Jayaben Bhimabhai, Maluben Mujri, Mariyam Husain and Laxmiben Balu, all casual labourers working since last more than 20 years is justified?”

And

“Whether the action of the management of Directorate of Groundnut Research (DGR), Junagadh in not granting the temporary status to Smt. Jayaben Bhimabhai, Maluben Mujri, Mariyam Husain and Laxmiben Balu, casual labourers without acceding monetary benefits is justified? If not, what relief, the applicants are entitled to?”

1. The reference dates back to 21.07.2014. The second party workman submitted the statement of claim Ex. 8 on 25.01.2017 alleging that he has been working with the first party The Director, Directorate of Groundnut Research (DGR), Ivanagar, PB No. 5, Junagadh, since last 24 years as a driver. The first party give an advertisement number 22/15 to the post of Technical T1 driver in a daily newspaper to which the workman applied but the first party vide letter dated 11.03.2016 rejected his application without assigning any reason on administrative ground. The second party workman is educated to the level of B.A.L.L.B. and personally represented against the said rejection vide letter dated 12.01.2015 to Indian Counsel of Agricultural Research, New Delhi hereinafter referred to as "ICAR". The ICAR disposed of his letter vide letter dated 12.05.2015 directing the first party to take decision at local level. The first party represented against the representation of the ICAR but the ICAR did not agree to the letter of the first party. He has further alleged that he represented before the first party for his regularisation of service as his rights were guaranteed under Article 14, 16, 19 and 21 of the Constitution of India. The first party was having a need of driver and he was serving the first party as driver for last 24 years, therefore, depriving him to regularise him in service amounts to violation of principle of natural justice as well as provisions of Industrial Dispute Act. He has further alleged that he was appointed in the year 1994 as a temporary driver and the first party was initially having 4 vehicles viz. Ambassador, Mahindra Jeep, Tata Sumo and Matador Mini Bus but there were only three sanctioned post of driver. Seeing the quantity of four vehicles and only three sanctioned post of drivers, he was engaged and wages were determined and paid to him as per the Government of India Rules. He has further alleged that he was illegally terminated from service w.e.f. 04.06.2006, therefore, he raised a dispute before the Industrial Tribunal vide Reference No. 1759/2009 which was decided by way of compromise and he was reinstated along with continuity of service with back wages but the terms of settlement regarding back wages and regularisation on the basis of the ban of recruitment of drivers imposed by the Government of India. He has further alleged that his work is of permanent nature, therefore, his service must be regularised seeing the continuity of service for 24 years. He has relied upon the judgement of Uma Devi and other judgements decided by the apex court. All the documents referred in the statement of claim have also been annexed with the statement of claim.

2. The first party vide his written statement Ex. 9 admitted all the averments made in the statement of claim but submitted that the first party establishment is a Government organisation, thus governed by the rules and regulations framed by Government of India and ICAR. He has not been fulfilling the criteria prescribed by the Government of India for regularisation of service including granting the temporary status. Therefore, the regularisation of the second party workman beyond the scope of the powers of the first party. The first party has also annexed the documents concerning the service of the workman.

3. On the basis of the pleadings, the following issues are framed:

- i. Whether the action of the management of Directorate of Groundnut Research (DGR), Junagadh in not granting the temporary status to Smt. Jayaben Bhimabhai, Maluben Mujri, Mariyam Husain and Laxmiben Balu, all casual labourers working since last more than 20 years is justified?
- ii. Whether the action of the management of Directorate of Groundnut Research (DGR), Junagadh in not granting the temporary status to Smt. Jayaben Bhimabhai, Maluben Mujri, Mariyam Husain and Laxmiben Balu, casual labourers without acceding monetary benefits is justified?
- iii. To what relief, if any, the applicants are entitled to?

4. Issue No. i & ii: Both the issues are interrelated, therefore, shall be decided together. To prove his case, the second party workman has submitted the affidavit Ex. 11 reiterating the averments made in the statement of claim Ex. 8 and all the averments are supported with the documents submitted by both the parties. The only question arises as to whether a workman who has served for 24 years in the absence of the rules of Government of India, can be regularised or may be granted temporary status? The workman in his cross-examination has not said anything contrary to the averments made in the statement of claim but he has admitted that initially there were four vehicles and three sanctioned post of drivers and there was a ban by the Government of India to further recruit one more driver. He has also stated that he was recruited through a proper channel of employment exchange. He has also admitted in his cross-examination that out of four vehicles, one vehicle has recently met a major accident. He has also replied that he can wait for his regularisation of service till February, 2018 when one driver out of the three regular drivers will retire. Thus it will be equitable and in consonance of principles of natural justice that the second party workman (driver) who has rendered a long 24 years of service with the first party must be regularised in service, the day on which one driver out of the three regular drivers retires. Both the issues are decided accordingly.

5. Issue No. iii: In the light of the aforesaid findings given in the issues no. i & ii, this issue is decided with a direction to the first party to regularise the services of the second party workman as a permanent employee of the first party organisation w.e.f. 01.03.2018.

6. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 288.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार जिला इंजीनियर, टेलीग्राफ, दूरसंचार विभाग, जामनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 991/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15.12.2017 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-40012/150/1994-आईआर (डीयू) ]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 288.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 991/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the District Engineer, Telegraphs, Department of Telecommunication, Jamnagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 15.12.2017.

[No. L-40012/150/1994-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

**ANNEXURE****BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD****Present :**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 01<sup>st</sup> December, 2017

**Reference: (CGITA) No. 991/2004**

1. The District Engineer,  
Telegraphs, D/o Telecommunication,  
XXM Jamnagar
2. The SDO,  
Telegraphs, D/o Telecommunication,  
XXM Jamnagar

...First Party

**V/s**

The President,  
Saurashtra Employees' Union,  
Baba Ama, 10/5, Junetien Plot, Swami Tahilaram Marg,  
Rajkot (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval

For the Second Party : Shri B.B. Gogia

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/150/94-IR(DU) dated 30.11.1995 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the Erst-while department of Telegraphs and New Department of Telecom, through the Telecom District Manager, Jamnagar in discontinuing/terminating or not taking on duties, Shri Jayashankar Trivedi, valid, just and legal? If not, to what benefits the workman is entitled for and what directions are necessary in the matter?”

1. The reference dates back to 30.11.1995. Both the parties submitted their statement of claim on 30.07.1996 and written statement on 26.08.1996 respectively. The workman was examined on 30.07.1997 but since then he has been absent for cross-examination. His advocate Kajal L. Kalwani tried to contact the workman but she failed to trace him.
2. Therefore, it appears that the second party workman is not willing to prosecute the case.
3. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party workman with the observation as under: "the action of the Erst-while department of Telegraphs and New Department of Telecom, through the Telecom District Manager, Jamnagar in discontinuing/terminating or not taking on duties, Shri Jayashankar Trivedi, is valid, just and legal."

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 289.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निदेशक, मैसर्स ईगल नेत्र सुरक्षा और कार्मिक सेवाएं, मुंबई और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 04/2015] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15.12.2017 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/124/2014-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 289.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 04/2015] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Director, M/s. Eagle Eye Security and Personnel Services, Mumbai & Other and their workman, which was received by the Central Government on 15.12.2017.

[No. L-42011/124/2014-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 05<sup>th</sup> December, 2017

##### Reference: (CGITA) No. 04/2015

1. The Director,  
M/s Eagle Eye Security and Personnel Services,  
GF, Manika Apptt., Mahakali Cross Road,  
Andheri (E), Mumbai – 400093
2. The Regional Director,  
Indira Gandhi National Open University,  
Regional Centre, Village Charrodi,  
Opp. Nirma University, Sarkhej – Gandhinagar Highway,  
Ahmedabad

...First Party

##### V/s

The Joint Secretary,  
Akhil Gujarat General Mazdoor Sangh,  
2<sup>nd</sup> Floor, Arab Chambers, Opp. Pattarkuva Petrol Pump,  
Relief Road, Ahmedabad – 380001

...Second Party

For the First Party : Mrs. G. Vijaya Lakshmi

For the Second Party : None

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42011/124/2014-IR(DU) dated 09.01.2015 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the demand of the union, Akhil Gujarat General Mazdoor Sangh, Ahmedabad to reinstate with full back wages of Shri Mahavirsingh K. Pawar, Jr. Asstt. cum Typist in the establishment of the Regional Director, Indira Gandhi National Open University, Ahmedabad is justified? If so, what relief the workman is entitled to?”

1. The reference dates back to 09.01.2015. Despite the appearance of the first party vide vakalatpatra Ex. 3 on 05.12.2017 of his advocate and service of notice on second party on sometimes prior to 21.05.2015, the second party has failed to submit the statement of claim.
2. Thus it appear that the second party is not willing to prosecute the reference.
3. Thus the reference is disposed of in the absence of the statement of claim of the second party with the observation as under: “the demand of the union, Akhil Gujarat General Mazdoor Sangh, Ahmedabad to reinstate with full back wages of Shri Mahavirsingh K. Pawar, Jr. Asstt. cum Typist in the establishment of the Regional Director, Indira Gandhi National Open University, Ahmedabad is unjustified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 290.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पोस्ट ऑफिस के वरिष्ठ अधीक्षक, राजकोट (गुजरात) एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 633/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15.12.2017 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/196/1994-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 290.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 633/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Senior Superintendent of Post Office, Rajkot (Gujarat) and their workman, which was received by the Central Government on 15.12.2017.

[No. L-40012/196/1994-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

### ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

#### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 06<sup>th</sup> December, 2017

**Reference: (CGITA) No. 633/2004**

The Sr. Superintendent of Post Office,  
Rajkot Division, G.P.O.,  
Rajkot (Gujarat)

...First Party

V/s

The President,  
Saurashtra Karmachari Sangh,  
10/5, Junction Plot, Swami Tehliya Ram Marg,  
Rajkot (Gujarat) – 360001

...Second Party

For the First Party : Shri P.M. Rami

For the Second Party : Shri B.B. Gogia

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/196/94-IR(DU) dated 09.06.1995 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the management of Sr. Supdt. of Post Office, Rajkot Division in terminating Shri R.M. Vanzara, O/s Postman, Bhaktinagar Post Office, Rajkot with effect from 01.02.1991 just, valid and legal? If not, to what benefits the workman is entitled for and what directions are necessary in the matter?”

1. The reference dates back to 09.06.1995. The second party workman submitted the statement of claim Ex. 2 alleging that he was engaged as Casual Labour by the first party from 19.11.1987 to 31.01.1991. He has submitted a table of working days which is reproduced as under:

From	To	Till Days	Worked under
19.11.1987	26.12.1987	26	Post Master Bhakti Nagar Post Office, Rajkot
01.01.1988	31.01.1988	15	-do-
01.02.1988	30.04.1988	88	-do-
02.05.1988	30.07.1988	82	-do-
01.08.1988	17.12.1988	104	-do-
01.01.1990	31.01.1990	22	-do-
Feb. 90		10	-do-
10.03.1990	28.04.1990	36	-do-
02.05.1990	29.05.1990	25	-do-
04.06.1990	28.06.1990	16	-do-
02.07.1990	31.07.1990	9	-do-
01.08.1990	31.12.1990	86	-do-
01.01.1991	31.01.1991	31	-do-
	Total Days	550	

He has further alleged that he worked for more than 240 days in each calendar year but his services were terminated orally without serving any one's month notice and also without paying retrenchment compensation as required under Section 25 F of the Industrial Disputes Act, being the precondition in the matter. He has further alleged that the casual labours similarly situated like workman and also engaged after the workman, were retained and allowed to work and inducted them as casual labour under the orders of the Central Administrative Tribunal, Ahmedabad. He has further alleged that the aforesaid action of the first party employer was violative of Section 25 F, G and H of the I.D. Act as well as violative of Article 14 and 16 of the Constitution of India. He is still unemployed. Thus he has

prayed for declaring the oral termination order as improper, unjust and illegal and has also prayed for reinstatement with full back wages.

2. The first party employer submitted the written statement Ex. 3 submitting that the reference is time barred having no cause of action. This tribunal has no jurisdiction to entertain the reference as per the decision of the Hon'ble Supreme Court in SLP (C) No. 17577/1995 (Civil Appeal No. 3305/1996) wherein the departmental post was declared as Non-Industry. It has been further submitted that the workman has not worked for more than 240 days in any of the calendar years. He was engaged as a substitute of the regular employee as outsider for Piecemeal Leave Arrangement of casual leave and earned leave of the permanent employee for short period and he was always relieved after the expiry of the aforesaid engagement. Therefore, the termination of his service does not arise. There is also no question of oral termination of services as on completion of specific period about engagement as outsider in leave vacancy, the arrangement is automatically discontinued on joining of regular employee who availed leave for the said period. Thus there is no question of violation of Section 25 F of the I.D. Act. It is also submitted that no junior workman to the second party workman was retained as alleged by the second party workman. Thus there was no violation of Section 25 F, G and H of the I.D. Act as well as violative of Article 14 and 16 of the Constitution of India.

3. On the basis of the pleadings, the following issues arise:

- i. Whether the action of the management of Sr. Supdt. Of Post Office, Rajkot Division in terminating Shri R.M. Vanzara, O/s Postman, Bhaktinagar Post Office, Rajkot with effect from 01.02.1991 just, valid and legal?
- ii. To what benefits, if any, the workman is entitled for and what directions are necessary in the matter?

4. **Issue No. i & ii:** The burden to prove this issue was lying on the workman who in his examination-in-chief, reiterated the averments made in the statement of claim Ex. 2 and in his cross-examination, he admitted that he was always engaged as postman in a leave vacancy of permanent or regular postman. He has worked for more than 240 day in every calendar year but he has expressed inability to submit the wages slip by which he could have proved of his engaged of more than 240 days in a year. He has admitted that he has no document to prove workman namely Upadhaya, Ramnikbhai and Rajdevbhai, junior to him were permitted to be engaged by the department after his termination as casual labour.

5. The first party examined Abijeet Varinder Singh Patel vide affidavit Ex. 15 who stated that the workman was always engaged in a leave vacancy of a permanent employee. He never worked for more than 240 day in any calendar year on temporary basis. He has not said anything contrary to his examination in chief in his cross-examination.

6. The evidence of both the parties does not establish that the workman has ever worked for more than 240 days in any calendar year as the workman himself failed to submit the wages slips given to him by the department.

7. The advocate for the workman has referred Gujarat State Machines Tools Corporation Ltd., Bhavnagar V/s Deepak J. Desai, 1987 (1) Gujarat Law Reporter 387 Gujarat High Court wherein it has been held that if a temporary worker is employed in a permanent vacancy, will be entitled for benefit of Section 25 H of the I.D. Act. This judgement is not applicable because firstly the workman has failed to prove that he worked for more than 240 days and secondly he was appointed as a substitute in place of leave vacancy of a permanent and regular employee. Thus in the absence of a vacancy of a sanctioned post, no person can be regularised.

8. She has further referred Management of Karnataka State Road Transport Corporation V/s M. Boraiah AIR 1983 Supreme Court 1320 wherein it has been held that even discharge of a probationer amounts to retrenchment and requirements of Section 25 F are to be mandatorily followed. This judgement is also not applicable because the workman was neither a probationer nor a workman who have served for more than 240 days.

9. She has further referred Workman of AEIB Corporation V/s Management AEIB Corporation 1985 CJ (SC) 374 wherein the apex court has held that public holidays shall be taken into account for the purpose of reckoning the total number of days actually worked. It is noteworthy that the workman has not submitted sufficient documentary evidence regarding the holidays and actual working days.

10. She has further referred Jasvir Singh V/s State of Haryana 215 Law Suits (SC) 32 wherein the apex court allowed the appeal on the ground that the workman was retrenched after working for more than 240 days without serving the notice and paying the notice pay. The appeal was allowed with cost of Rs. 25000/-. This judgement has no applicability in the present case because the workman has failed to give any evidence regarding working for more than 240 days in any calendar year.

11. She has further referred Harinandan Prasad V/s Employer I/R to Management of FCI 214 Law Suits (SC) 102 wherein the apex court denied the reinstatement being the workman out of service for last 30 years and was granted compensation in lieu of reinstatement and regularisation.

12. She has further referred BSNL V/s Gurumal 213 Law Suits (SC) 1128 wherein the apex court has held that there was no direct evidence for working more than 50 years but as an equity, a compensation of Rs. 300000/- was granted to workman.
13. She has further referred Kalamunddin M. Ansari V/s Government of India 216 AIJEL SC 235138 Gujarat wherein it has been held that the workman has completed 240 days of work. There is no absolute bar of not considering the cases of casual labours / workmen for granting temporary status as per the casual labours (grant of temporary status and regularisation) scheme 1989. It is noteworthy that it is not the case of the workman because that scheme dates back to 1989 and whosoever had been working prior to scheme, was eligible in the scheme for regularisation while the workman in his statement of claim has alleged his engagement from 1984 to 16.10.1990 and he was appointed as a substitute in leave vacancy. Therefore, he ought to have applied in the scheme for regularisation which is not the case of the workman, therefore, at the most, he may be granted some compensation.
14. She has further referred Ajabsingh V/s Sirhind Corporative Marketing cum Processing Services Society Ltd., 1999 Law Suits (SC) 433 wherein the apex court has held that the plea of delay has not been taken in the defence and the discussion of the reference on such ground is unjustified and if the plea of delay is raised, same must be required to be proved.
15. She has further referred Prabhakar V/s Joint Director, Siri Culture Department and others, 215 Law Suits (SC) wherein the apex court has held that the law of limitation does not apply to the proceedings under the I.D. Act as the words, "at any time" used in Section 10 supports that there is no period of limitation in making the order of reference but the appropriate government has to keep in mind as to whether the dispute is still existing or live dispute and has not become a stale claim and if that is so, the reference can be refused. Whether dispute is alive or it has become stale at the time when the workman approached the appropriate Government is an aspect which would depend upon the facts and circumstances of each case and there cannot be any hard and fast rule regarding the time for making the order of the reference.
16. After considering all the evidences and documentary evidences, the workman has submitted the zerox copies of working days issued by Sr. Superintendent of Post Offices, Rajkot which does not show that he has ever worked for more than 240 days in any calendar year. This is an admitted case of the parties that the workman was engaged on need basis as postman against the leave vacancy of a regular postman and it is also admitted fact that as and when the regular employee comes back to the office after availing his sanctioned leave, the workman was always relieved.
17. It is a settled law that the regular post in the Government Organisation can only be filled up by a due procedure of recruitment. Thus in the light of the law and evidence, there is no violation of Section 25 F, G and H of the I.D. Act as well as Article 14 and 16 of the constitution of India. The workman was admittedly engaged in a leave vacancy. Had there been any permanent vacancy and same had been proved by the workman and had he worked for 240 days in preceding calendar year, the relief could have been considered. Thus this issue is decided in affirmative and against the workman.
18. On the basis of the aforesaid findings of issue no. i, the relief of regularisation cannot be granted.
19. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 291.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मुख्य महाप्रबंधक (दूरसंचार), खानपुर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 537/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/161/2002-आईआर(डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 291.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 537/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation



to the Chief General Manager (Telecom), Khanpur (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/161/2002-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

### ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

#### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 16<sup>th</sup> January, 2018

#### Reference: (CGITA) No. 537/2004

1. The Chief General Manager (Telecom),  
Gujarat Circle, BSNL, Khanpur,  
Ahmedabad (Gujarat) – 380001
  2. The Telecom District Manager,  
BSNL, Ganj Market,  
Palanpur (B.K.) – 385001
- ...First Party

#### V/s

The Org. Secretary,  
The Association of Railway and Post Employees,  
15, Shashi Apartment, Nr. Anjali Cinema, Vasna Road,  
Ahmedabad (Gujarat) - 380007

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval

For the Second Party : Shri R.C. Pathak

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/161/2002-IR(DU) dated 10.02.2003 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the action of the management of BSNL (Telecom Department) in terminating the services of Shri Senjiji Sarupji is legal, proper and justified? If not, to what relief the concern workman is entitled to and what other directions are necessary in the matter?”

1. The reference dates back to 10.02.2003. The second party submitted the statement of claim Ex. 7 on 05.04.2005 and the first party submitted the written statement Ex. 10 on 22.08.2010.
2. The second party moved an application Ex. 11 for production of documents mentioned therein as alleged to be in the custody of the first party. The first party filed objections Ex. 12 alleging that these documents were too old. The documents are generally preserved for 5 years and therefore, are weeded out and cannot be filed. The said application Ex. 11 was rejected by this tribunal on 19.12.2016. Since then the second party has not been giving evidence despite giving number of last opportunities.
3. Thus it appears that second party union is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party union with the observation as under: “the action of the management of BSNL (Telecom Department) in terminating the services of Shri Senjiji Sarupji is legal, proper and justified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 292.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार महाप्रबंधक बीएसएनएल, राजकोट (गुजरात) एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 47/2005] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15.12.2017 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/149/2004-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 292.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 47/2005] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the General Manager, BSNL Rajkot (Gujarat) and their workman, which was received by the Central Government on 15.12.2017.

[No. L-40012/149/2004-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 01<sup>st</sup> December, 2017

##### Reference: (CGITA) No- 47/2005

The General Manager,  
BSNL, Telecom Department,  
Loga Nagar, 2<sup>nd</sup> Floor, Gondal Road,  
Rajkot (Gujarat) - 360002

...First Party

V/s

The President,  
Saurashtra Employees' Union,  
City Shops, 3<sup>rd</sup> Floor,  
Opp. Jaganath Police Chowky, Dr. Yagnik Road,  
Rajkot (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval

For the Second Party : Shri B.B. Gogia

#### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/149/2004-IR(DU) dated 03.05.2005 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the management of BSNL, Rajkot in terminating the services of Smt. Kasiben M. Kurbia a part time employee w.e.f. 01.04.2004, when the matter is referred to CGIT, Rajkot vide reference no. L-40012/15/2004-IR(DU) dated 08.06.2004 for full time engagement is legal and justified? If not, what relief the workman concerned is entitled to?”

1. The reference dates back to 03.05.2005. Both the parties submitted their statement of claim Ex. 6 on 08.08.2009 and written statement Ex. 9 on 11.02.2009 respectively. The second party submitted the affidavit of deposition Ex. 13 on 19.09.2011 but since then the second party workman has been absent for cross-examination. His advocate Kajal L. Kalwani tried to contact the workman but she failed to trace him.
2. Therefore, it appears that the second party workman is not willing to prosecute the case.
3. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party workman with the observation as under:” the action of the management of BSNL, Rajkot in terminating the services of Smt. Kasiben M. Kurbia a part time employee w.e.f. 01.04.2004, when the matter is referred to CGIT, Rajkot vide reference no. L-40012/15/2004-IR(DU) dated 08.06.2004 for full time engagement is legal and justified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 293.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, खानपुर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 98/2005] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/12/2003-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 293.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 98/2005] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Chief Post Master General, Khanpur (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/12/2003-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD**

**Present:**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT cum Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 16<sup>th</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No- 98/2005**

1. The Chief Post Master General,  
Gujarat Circle, Khanpur,  
Ahmedabad (Gujarat) – 380001
2. The Manager,  
Returned Letter Office,  
GPO Compound, Ahmedabad

...First Party

V/s

The Org. Secretary,  
The Association of Railway and Post Employees,  
15, Shashi Apartment, Nr. Anjali Cinema, Vasna Road,  
Ahmedabad (Gujarat) - 380007

...Second Party

For the First Party : Shri P.M. Rami

For the Second Party : Shri R.C. Pathak

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/12/2003-IR(DU) dated 18.10.2005 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the demand of the Association of Railway and Post Employees, Ahmedabad from the management of Manager, Returned Letter Office of GPO, Ahmedabad for reinstatement of Shri KalubhaiDudhabhaiVaghela with full back wages and continuity of service with all consequential benefits is just and legal? If so, to what relief the workman is entitled and from which date?”

1. The reference dates back to 18.10.2005. The second party union submitted the statements of claim Ex. 7 and 11 on 27.02.2006 and 16.10.2008 respectively. The first party submitted the written statement Ex. 13 on 07.05.2009.
2. The second party moved an application Ex. 16 for production of documents. In response to the application, the first party instead of filing objections, submitted the documents vide list Ex. 18 on 26.06.2012.
3. The second party submitted the affidavits Ex. 23 and 24 of its workman on 18.01.2014 and 10.02.2017 respectively but neither of the aforesaid witnesses turned up for cross-examination despite giving last opportunity on 01.04.2017, 01.08.2017, 12.09.2017 and 14.11.2017.  
Thus it appears that second party union is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party union with the observation as under: “the demand of the Association of Railway and Post Employees, Ahmedabad from the management of Manager, Returned Letter Office of GPO, Ahmedabad for reinstatement of Shri Kalubhai Dudhabhai Vaghela with full back wages and continuity of service with all consequential benefits is unjust and illegal.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 294.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, दूरसंचार जिला इंजीनियर, दूरसंचार विभाग, सुरेंद्रनगर एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 1081/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/186/1996-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 294.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 1081/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Telecom District Engineer, Telecom Department, Surendranagar and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/186/1996-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

## ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD**Present:**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT cum Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 12<sup>th</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No- 1081/2004**

The Telecom District Engineer,  
Telecom Department,  
Surendranagar – 363001

...First Party

V/s

The President,  
Saurashtra Employees Union,  
Umesh Commercial Complex, Officer No. 213 and 214,  
2<sup>nd</sup> Floort, Near Chaudhary High School,  
Rajkot – 360001

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval  
For the Second Party : Shri B.B. Gogia

## AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/186/96–IR(DU) dated 04.02.1998 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

## SCHEDULE

“Whether the action of the management of Telecom District Manager, Surendranagar in terminating the services of Shri Arjanbhai Punjabhai Dulera is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

1. The reference dates back to 04.02.1998. The second party submitted the statement of claim Ex. 3 on 27.04.1998 along with number of documents vide list Ex. 6 and the first party submitted the written statement Ex. 7. The workman was also examined on 15.12.2003 but he failed to appear for cross-examination. Thereafter, the second party was given number of dates for cross-examination till today i.e. 12.01.2018.
2. Today on 12.01.2018, the learned counsel for the second party workman Adv. Kajal L. Kalwani stated that the workman has not been in her contact since long period.
3. Thus it appears that the second party workman is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party with the observation as under: “the action of the management of Telecom District Manager, Surendranagar in terminating the services of Shri Arjanbhai Punjabhai Dulera is legal and justified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 295.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, डाकघर का अधीक्षक, सुरेंद्रनगर एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 48/2014] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-40012/22/2014-आईआर (डीयू) ]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 295.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 48/2014] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Superintendent of Post Offices, Surendranagar and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/22/2014-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

Present....

Pramod Kumar Chaturvedi,

Presiding Officer, CGIT cum Labour Court,

Ahmedabad,

Dated 09<sup>th</sup> January, 2018

#### Reference: (CGITA) No- 48/2014

The Superintendent of Post Offices,  
Post Offices, Surendranagar Division,  
Surendranagar (Gujarat)

...First Party

V/s

Shri A.K. Nimbark,  
Ex-GDS/BPM,  
R/o Vill.MotaAnkewalia,  
BO – via Dudhrej, Tal.Wadhwan,  
Surendranagar (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri P.M. Rami  
For the Second Party : Shri Ajay M. Shah

#### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/22/2014-IR(DU) dated 06.05.2014 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Supdt. Of Post Offices, Surendranagar Division, Surendranagar in terminating the services of Shri A.K. Nimbark, GraminDakSevak Branch Postmaster at MotaAnkevaliya, Dudhrej SO without giving and opportunity is legal and justified? If so, what relief the workman, Shri A.K. Nimbark is entitled to?”

1. The reference dates back to 06.05.2014. After receiving the reference from the appropriate authority on 21.05.2014, notices were issued to all the parties on 10.09.2015, then on 20.06.2016 to appear and submit their statement of claim or written statement as the case may be. Shri A.M. Shah and Shri P.M. Shah submitted his vakalatpatra Ex. 5 on 10.02.2016 and vide applications Ex. 7 & 8, the second party sought time for submitting the statement of claim but he failed to submit the statement of claim despite giving dates on 05.11.2015, 10.02.2016, 13.06.2016, 24.10.2016, 16.01.2017, 06.03.2017, 01.05.2017, 29.05.2017, 27.06.2017, 06.09.2017, 08.11.2017 and 09.01.2018 but to no result and Shri A.M. Shah failed to submit the statement of claim.
2. Thus it appears that the second party is not willing to prosecute the reference.
3. Thus the reference is disposed of in the absence of the statement of claim of the second party with the observation as under: “the action of the management of Supdt. Of Post Offices, Surendranagar Division,

Surendranagar in terminating the services of Shri A.K. Nimbark, Gramin Dak Sevak Branch Postmaster at Mota Ankevaliya, Dudhrej SO without giving and opportunity is legal and justified.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 296.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, वरिष्ठ अधीक्षक डाक, वडोदरा (गुजरात) एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 08/2015] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/91/2014-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O.296.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 08/2015] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Senior Superintendent of Posts, Vadodara (Gujarat) and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/91/2014-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 09<sup>th</sup> January, 2018

##### Reference: (CGITA) No. 08/2015

The Senior Superintendent of Posts,  
Department of Posts,  
Western Division, Fatehganj,  
Vadodara (Gujarat) - 390002

...First Party

V/s

Shri Gopal Kantilala Shah,  
F/111, Ajitanagar Society,  
Vibhag - 2, Karelibaugh,  
Vadodara (Gujarat) - 390022

...Second Party

For the First Party : Shri P.M. Rami  
For the Second Party : None

#### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/91/2014-IR(DU) dated 28.01.2015 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the Postal Department in terminating the services of Shri Gopal Kantilal Shah, Postal Assistant w.e.f. 29.10.2012 is legal, proper and just? If not, to what relief the concerned workman Shri Gopal Kantilal Shah is entitled to?”

1. The reference dates back to 28.01.2015. After receiving the reference from the appropriate authority on 09.02.2015, notices were issued to all the parties to submit their statements on 02.05.2017. Neither of the parties responded. Thereafter, all the parties were given time in-absentia to submit their submissions on 30.05.2017, 28.06.2017, 06.09.2017 and 08.11.2017. The second party workman did not submit his statement of claim despite the fact that the first party submitted the vakalatpatra of his advocate Shri P.M. Rami on 08.11.2017. It is noteworthy that the second party workman received the notice on 05.03.2017 but he did not prefer to appear and submit his statement of claim.
2. Thus it appears that the second party is not willing to prosecute the reference.
3. Thus the reference is disposed of in the absence of the statement of claim of the second party with the observation as under: “the action of the Postal Department in terminating the services of Shri Gopal Kantilal Shah, Postal Assistant w.e.f. 29.10.2012 is legal, proper and just.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 297.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, स्टेशन निदेशक, काकड़ापर एटॉमिक पावर स्टेशन, सूरत (गुजरात) एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 72/2007] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/35/2007-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 297.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 72/2007] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Station Director, Kakrapar Atomic Power Station, Surat (Gujarat) and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-42011/35/2007-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

**ANNEXURE**

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD**

**Present :**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 11<sup>th</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No. 72/2007**

The Station Director,  
Kakrapar Atomic Power Station,  
Nuclear Power Corporation of India Ltd.,  
P.O. Anumala, Via Vyara,  
Surat (Gujarat) – 394651

...First Party



V/s

The General Secretary,  
Kakrapar Anumathak Karmachari Sangathann,  
Kakrapar Atomic Power Project, Township,  
Post Annumala, Tal.-Vyara,  
Surat (Gujarat) - 394651

...Second Party

For the First Party : Shri K.V. Gadhia  
For the Second Party : Shri Hitesh D. Katharotiya

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42011/35/2007-IR(DU) dated 28.06.2007 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the demand of the Kakrapar Anumathak Karamchhari Sangathan for declaring 8 workers as protected workmen on the ground that Assistant Foreman, Foreman, Scientific Assistant, Sr. Assistant – II, Draftsman –III etc. are ‘workmen’ as defined under Section 2(I) of the Industrial Dispute Act, is legal and justified? If so, to what relief the workmen are entitled to?”

1. The reference dates back to 28.06.2007. Both the parties were issued notices immediate after receiving the reference from the Government of India. Acknowledgements of the notices were also received. The first party Kakrapar Atomic Power Station, submitted the vakalatpatra of his advocate Shri K.V. Gadhia along with written statement Ex. 8 and the second party workman submitted the vakalatpatra Ex. 6 of his advocate Shri J.K. Parmar along with the statement of claim Ex. 7. Thereafter, the second party workman abstained to appear, therefore, a fresh notice Ex. 14 was issued to both the parties on 28.07.2011 to appear on 12.10.2011. On 12.10.2011, Shri A.K. Vaishya submitted the vakalatpatra of Shri Hitesh Kathoratiya but since then the second party in person remained absent and his advocate Shri Hitesh Kathoratiya every time took adjournment for leading evidence in the circumstances of physical non-appearance of the second party union's representative.
2. Today on 11.01.2018, Shri Hitesh Kathoratiya, the advocate of second party stated that the union has not been taking interest in the prosecution of the case; therefore, the reference is disposed of as not pressed.
3. Thus the reference is disposed of as not pressed.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 298.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उप महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, गांधीनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 02/2013] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42025/03/2018-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 298.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 02/2013] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Deputy General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. Gandhinagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-42025/03/2018-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

**ANNEXURE****BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,  
AHMEDABAD****Present :**

Pramod Kumar Chaturvedi,  
 Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
 Ahmedabad,  
 Dated 08<sup>th</sup> January, 2018

**I.D. Application : (CGITA) No. 02/2013**

Babuji Ransinh Chauhan  
 Village Baria na Muvada, Tel. Dehgam,  
 Gandhinagar  
 C/o  
 Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat,  
 9, Kabir Chambers, Off. Patelwadi, Bapunagar,  
 Ahmedabad (Gujarat) ...Applicant

V/s

1. The Dy. General Manager,  
 Power Grid Corporation of India Ltd.,  
 HR Department, 400/2000 KV Sub Station,  
 Vasna Rathod Road, P.B. No. 9, Dehgam,  
 Gandhinagar – 382305
2. M/s Narendra Kumar & Co.,  
 A/52, Mahavir Society, Ranip,  
 Ahmedabad (Gujarat) ...Opponent

For the Applicant : Shri Govindbhai C. Dutt

For the Opposite Party No. (1) : Shri Sunil J. Joshi

For the Opposite Party No. (2) : Shri M.H. Sanghariyat

**Order**

1. This is an application moved by the applicant/second party workman, hereinafter referred to as applicant, alleging that he was working with the management of M/s Narendra Kumar & Co., since long as a Gardener (Mali) in the Supervision of Department of Horticulture of Power Grid Corporation of India under the guise of opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar & Co., the contractor. His service record was clean and spotless with good conduct and behaviour. He has further alleged that the opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India was the principle employer and M/s Narendra Kumar and Co., was its contractor. The applicant had been serving the opposite party for more than 240 days in each calendar year with a salary of Rs. 3200/- per month. The opposite parties denied him the minimum wages as prescribed under the law despite making number of complaints. The opposite parties terminated his services on 09.02.2012 on making complaints which was illegal and unjust, deserves to be quashed and set aside. He was not served any show cause notice before termination of service. Therefore, the action was violative of Section 25 F of the I.D. Act. They have also not followed the due procedure while terminating his services. He has further alleged that the junior workmen are retained while terminating his services. Thus the action was also violative of Section 25 F, G and H of the I.D. Act. Thus he has prayed for reinstatement of his service with back wages along with legal expenses of Rs. 10000/- declaring the termination of his service as illegal and unjust.
2. The opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., in his objection Ex. 9 has submitted that the owner of the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., Chainsinh was seriously ill and was admitted as indoor patient in Dr. Rakesh Patel Hospital, Ranip since 10.08.2014 and is not able to submit the proper written statement, however, he has submitted that he has not been having any outsource contract with opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India. He has further submitted that he is ready to provide work and employ

the applicant/workman at Gujarat Composite Limited, situated at Kaaligam, District Vijaynagar as a casual labour. He has further submitted that the applicant wanted his engagement with the opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India, which is not possible at any part in the absence of any contract with it.

3. On the basis of the pleadings, the following issues arise:
  - i. Whether the demand of the union, Gujarat Navrachna MazdoorKarmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate Shri Babuji Ransinh Chauhan (terminated on 09.02.2012) with full back wages in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. is legal and justified?
  - ii. To what relief, if any, the workman is entitled?
4. **Issue No. i & ii:** The burden of proof of these issues was on the applicant who submitted his affidavit Ex. 10 in support of his case. The opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India did not submit his written statement, therefore, the case was ordered to proceed ex-parte against it on 22.11.2016. The opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., today on 08.01.2018 submitted that he is ready to employ the applicant/workman to his new place of contract employment and he does not want to cross-examine the applicant/workman.
5. The applicant has not submitted any evidence as to who workman junior to him was retained by the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., and has also not submitted any evidence regarding working for more than 240 days in any calendar year.
6. Thus in the light of the aforesaid submissions of the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., both issues are decided with a direction that the applicant will report and join the M/s Narendra Kumar and Co., at the earliest as and when he desires. He will not be paid any back wages in the absence of the proper evidence on the principle of “no work no pay”.
7. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 299.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उप महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, गांधीनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 01/2013] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[ सं. एल-42025/03/2018-आईआर (डीयू) ]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 299.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 02/2013] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Deputy General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. Gandhinagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-42025/03/2018-IR (DU)]  
RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 08<sup>th</sup> January, 2018

**I.D. Application : (CGITA) No- 01/2013**

JawanjiPujajiBhoi  
 Village Bhomia, Vadadra, Tel. Dehgam,  
 Gandhinagar  
 C/o  
 Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat,  
 9, Kabir Chambers, Off.Patelwadi, Bapunagar,  
 Ahmedabad (Gujarat)

...Applicant

V/s

1. The Dy. General Manager,  
 Power Grid Corporation of India Ltd.,  
 HR Department, 400/2000 KV Sub Station,  
 VasnaRathod Road, P.B. No. 9, Dehgam,  
 Gandhinagar – 382305
2. M/s Narendra Kumar & Co.,  
 A/52, Mahavir Society, Ranip,  
 Ahmedabad (Gujarat)

...Opponents

For the Applicant	: Shri Govindbhai C. Dutt
For the Opposite Party No. (1)	: Shri Sunil J. Joshi
For the Opposite Party No. (2)	: Shri M.H. Sanghariyat

**Order**

1. This is an application moved by the applicant/second party workman, hereinafter referred to as applicant, alleging that he was working with the management of M/s Narendra Kumar & Co., since long as a Gardener (Mali) in the Supervision of Department of Horticulture of Power Grid Corporation of India under the guise of opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar & Co., the contractor. His service record was clean and spotless with good conduct and behaviour. He has further alleged that the opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India was the principle employer and M/s Narendra Kumar and Co., was its contractor. The applicant had been serving the opposite party for more than 240 days in each calendar year with a salary of Rs. 3200/- per month. The opposite parties denied him the minimum wages as prescribed under the law despite making number of complaints. The opposite parties terminated his services on 09.02.2012 on making complaints which was illegal and unjust, deserves to be quashed and set aside. He was not served any show cause notice before termination of service. Therefore, the action was violative of Section 25 F of the I.D. Act. They have also not followed the due procedure while terminating his services. He has further alleged that the junior workmen are retained while terminating his services. Thus the action was also violative of Section 25 F, G and H of the I.D. Act. Thus he has prayed for reinstatement of his service with back wages along with legal expenses of Rs. 10000/- declaring the termination of his service as illegal and unjust.
2. The opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., in his objection Ex. 9 has submitted that the owner of the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., Chainsinh was seriously ill and was admitted as indoor patient in Dr. Rakesh Patel Hospital, Ranip since 10.08.2014 and is not able to submit the proper written statement, however, he has submitted that he has not been having any outsource contract with opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India. He has further submitted that he is ready to provide work and employ the applicant/workman at Gujarat Composite Limited, situated at Kaaligam, District Vijaynagar as a casual labour. He has further submitted that the applicant wanted his engagement with the opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India, which is not possible at any part in the absence of any contract with it.
3. On the basis of the pleadings, the following issues arise: “
  - i. Whether the demand of the union, Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate Shri JawanjiPujajiBhoi(terminated on 09.02.2012) with full back wages in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. is legal and justified?
  - ii. To what relief, if any, the workman is entitled?

4. **Issue No. i & ii:** The burden of proof of these issues was on the applicant who submitted his affidavit Ex. 11 in support of his case. The opposite party no. 1 Power Grid Corporation of India did not submit his written statement, therefore, the case was ordered to proceed ex-parte against it on 22.11.2016. The opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., today on 08.01.2018 submitted that he is ready to employ the applicant/workman to his new place of contract employment and he does not want to cross-examine the applicant/workman.
5. The applicant has not submitted any evidence as to who workman junior to him was retained by the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., and has also not submitted any evidence regarding working for more than 240 days in any calendar year.
6. Thus in the light of the aforesaid submissions of the opposite party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., both issues are decided with a direction that the applicant will report and join the M/s Narendra Kumar and Co., at the earliest as and when he desires. He will not be paid any back wages in the absence of the proper evidence on the principle of “no work no pay”.
7. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 300.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उप महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, गांधीनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 118/2013] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/32/2013-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 300.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 118/2013] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Deputy General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. Gandhinagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-42011/32/2013-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 08<sup>th</sup> January, 2018

##### Reference: (CGITA) No. 118/2013

1. The Dy. General Manager,  
Power Grid Corporation of India Ltd.,  
HR Department, 400/2000 KV Sub Station,

Vasna Rathod Road, P.B. No. 9, Dehgam,  
Gandhinagar – 382305

2. M/s Narendra Kumar & Co.,  
A/52, Mahavir Society, Ranip,  
Ahmedabad (Gujarat)

...First Parties

V/s

The General Secretary,  
Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat,  
9, Kabir Chambers, Off. Patelwadi, Bapunagar,  
Ahmedabad (Gujarat)

....Second Party

For the First Party No. (1) : Shri Sunil J. Joshi  
For the First Party No. (2) : Shri M.H. Sanghariyat  
For the Second Party : Shri Govindbhai C. Dutt

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42011/32/2013–IR(DU) dated 07.06.2013 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the demand of the union, Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate with full back wages of Shri Arjunsinh Pujasinh Rathod (terminated on 07.11.2011) in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd., Gandhinagar is legal and justified? What relief the workman is entitled to?”

1. The reference dates back to 07.06.2013. The second party submitted the statement of claim Ex. 2 alleging that he was working with the management of M/s Narendra Kumar & Co., since long as a Gardener (Mali) in the Supervision of Department of Horticulture of Power Grid Corporation of India under the guise of first party no. 2 M/s Narendra Kumar & Co., the contractor. His service record was clean and spotless with good conduct and behaviour. He has further alleged that the first party no. 1 Power Grid Corporation of India was the principle employer and M/s Narendra Kumar and Co., was its contractor. The second party workman had been serving the first party for more than 240 days in each calendar year with a salary of Rs. 3200/- per month. The first parties denied him the minimum wages as prescribed under the law despite making number of complaints. The first parties terminated his services on 07.11.2011 on making complaints which was illegal and unjust, deserves to be quashed and set aside. He was not served any show cause notice before termination of service. Therefore, the action was violative of Section 25 F of the I.D. Act. They have also not followed the due procedure while terminating his services. He has further alleged that the junior workmen are retained while terminating his services. Thus the action was also violative of Section 25 F, G and H of the I.D. Act. Thus he has prayed for reinstatement of his service with back wages along with legal expenses of Rs. 10000/- declaring the termination of his service as illegal and unjust.
2. The first party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., in his objection Ex. 9 has submitted that the owner of the first party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., Chainsinh was seriously ill and was admitted as indoor patient in Dr. Rakesh Patel Hospital, Ranip since 10.08.2014 and is not able to submit the proper written statement, however, he has submitted that he has not been having any outsource contract with first party no. 1 Power Grid Corporation of India. He has further submitted that he is ready to provide work and employ the applicant/workman at Gujarat Composite Limited, situated at Kaaligam, District Vijaynagar as a casual labour. He has further submitted that the second party wanted his engagement with the first party no. 1 Power Grid Corporation of India, which is not possible at any part in the absence of any contract with it.
3. On the basis of the pleadings, the following issues arise:
  - i. Whether the demand of the union, Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate with full back wages of Shri Arjunsinh Pujasinh Rathod (terminated on 07.11.2011) in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd., Gandhinagar is legal and justified?
  - ii. To what relief, if any, the workman is entitled?

4. **Issue Nos. i & ii:** The burden of proof of these issues was on the second party workman who submitted his affidavit Ex. 15 in support of his case. The first party No. 1 Power Grid Corporation of India did not submit his written statement, therefore, the case was ordered to proceed ex-parte against it on 22.11.2016. The first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., today on 08.01.2018 submitted that he is ready to employ the applicant/workman to his new place of contract employment and he does not want to cross-examine the second party workman.
5. The second party workman has not submitted any evidence as to who workman junior to him was retained by the first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., and has also not submitted any evidence regarding working for more than 240 days in any calendar year.
6. Thus in the light of the aforesaid submissions of the first party no. 2 M/s Narendra Kumar and Co., both issues are decided with a direction that the second party workman namely Shri Arjunsinh Pujasinh Rathod will report and join the M/s. Narendra Kumar and Co., at the earliest as and when he desires. He will not be paid any back wages in the absence of the proper evidence on the principle of “no work no pay”.
7. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 301.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उप-महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, गांधीनगर (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 117/2013] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/32/2013-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 301.**— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 117/2013] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Deputy General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. Gandhinagar (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-42011/32/2013-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 08<sup>th</sup> January, 2018

##### Reference: (CGITA) No. 117/2013

1. The Dy. General Manager,  
Power Grid Corporation of India Ltd.,  
HR Department, 400/2000 KV Sub Station,  
Vasna Rathod Road, P.B. No. 9, Dehgam,  
Gandhinagar – 382305

2. M/s. Narendra Kumar & Co.,  
A/52, Mahavir Society, Ranip,  
Ahmedabad (Gujarat)

...First Parties

V/s

The General Secretary,  
Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat,  
9, Kabir Chambers, Off. Patelwadi, Bapunagar,  
Ahmedabad (Gujarat)

...Second Party

For the First Party No. (1) : Shri Sunil J. Joshi  
For the First Party No. (2) : Shri M.H. Sanghariyat  
For the Second Party : Shri Govindbhai C. Dutt

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-42011/31/2013–IR(DU) dated 07.06.2013 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the demand of the union, Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate Shri Kanusinh Ramasinh Parmar (terminated on 07.11.2011) with full back wages in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. is legal and justified? What relief the workman is entitled to?”

1. The reference dates back to 07.06.2013. The second party submitted the statement of claim Ex. 2 alleging that he was working with the management of M/s. Narendra Kumar & Co., since long as a Gardener (Mali) in the Supervision of Department of Horticulture of Power Grid Corporation of India under the guise of first party No. 2 M/s. Narendra Kumar & Co., the contractor. His service record was clean and spotless with good conduct and behaviour. He has further alleged that the first party No. 1 Power Grid Corporation of India was the principle employer and M/s. Narendra Kumar and Co., was its contractor. The second party workman had been serving the first party for more than 240 days in each calendar year with a salary of Rs. 3200/- per month. The first parties denied him the minimum wages as prescribed under the law despite making number of complaints. The first parties terminated his services on 07.11.2011 on making complaints which was illegal and unjust, deserves to be quashed and set aside. He was not served any show cause notice before termination of service. Therefore, the action was violative of Section 25 F of the I.D. Act. They have also not followed the due procedure while terminating his services. He has further alleged that the junior workmen are retained while terminating his services. Thus the action was also violative of Section 25 F, G and H of the I.D. Act. Thus he has prayed for reinstatement of his service with back wages along with legal expenses of Rs. 10000/- declaring the termination of his service as illegal and unjust.
2. The first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., in his objection Ex. 9 has submitted that the owner of the first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., Chainsinh was seriously ill and was admitted as indoor patient in Dr. Rakesh Patel Hospital, Ranip since 10.08.2014 and is not able to submit the proper written statement, however, he has submitted that he has not been having any outsource contract with first party No. 1 Power Grid Corporation of India. He has further submitted that he is ready to provide work and employ the applicant/workman at Gujarat Composite Limited, situated at Kaaligam, District Vijaynagar as a casual labour. He has further submitted that the second party wanted his engagement with the first party No. 1 Power Grid Corporation of India, which is not possible at any part in the absence of any contract with it.
3. On the basis of the pleadings, the following issues arise:
  - i. Whether the demand of the union, Gujarat Navrachana Mazdoor Karmachari Panchayat, Ahmedabad to reinstate Shri Kanusinh Ramasinh Parmar (terminated on 07.11.2011) with full back wages in the establishment of the Dy. General Manager, Power Grid Corporation of India Ltd. is legal and justified?
  - ii. To what relief, if any, the workman is entitled?



4. **Issue Nos. i & ii:** The burden of proof of these issues was on the second party workman who submitted his affidavit Ex. 13 in support of his case. The first party No. 1 Power Grid Corporation of India did not submit his written statement, therefore, the case was ordered to proceed ex-parte against it on 22.11.2016. The first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., today on 08.01.2018 submitted that he is ready to employ the applicant/workman to his new place of contract employment and he does not want to cross-examine the second party workman.
5. The second party workman has not submitted any evidence as to who workman junior to him was retained by the first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., and has also not submitted any evidence regarding working for more than 240 days in any calendar year.
6. Thus in the light of the aforesaid submissions of the first party No. 2 M/s. Narendra Kumar and Co., both issues are decided with a direction that the second party workman namely Shri Kanusinh Ramasinh Parmar will report and join the M/s. Narendra Kumar and Co., at the earliest as and when he desires. He will not be paid any back wages in the absence of the proper evidence on the principle of “no work no pay”.
7. The award is passed accordingly.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 302.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, उप-विभागीय अधिकारी, दूरसंचार विभाग, सुरेंद्रनगर एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 1087/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24.01.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/185/1996-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 302.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 1087/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Sub-Divisional Officer, Telecom Department, Surendranagar and their workman, which was received by the Central Government on 24.01.2018.

[No. L-40012/185/1996-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

##### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 12<sup>th</sup> January, 2018

##### Reference: (CGITA) No. 1087/2004

The Sub-Divisional Officer,  
Phones, Telecom Department,  
Surendranagar – 363001

...First Party

V/s

The President,  
Saurashtra Employees Union,  
Umesh Commercial Complex, Officer Nos. 213 and 214,

2<sup>nd</sup> Floort, Near Chaudhary High School,  
Rajkot – 360001

...Second Party

For the First Party : Shri H.R. Raval

For the Second Party : Shri B.B. Gogia

### AWARD

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/185/96-IR(DU) dated 12.03.1998 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Sub-Divisional Officer, Phones, Surendranagar in terminating the services of Shri Ghanshyam R. Bhagat is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

1. The reference dates back to 12.03.1998. The second party submitted the statement of claim Ex. 3 on 25.06.1998 along with number of documents vide list Ex. 5 and the first party submitted the written statement Ex. 7 on 20.08.1998. Since then the second party was given number of dates for evidence till today i.e. 12.01.2018 but he did not appear. It is also noteworthy that a fresh notice Ex. 17 was issued to all the parties to appear on 18.004.2011. In response to the notice, the learned counsel for both the parties were appeared but failed to lead evidence.
2. Today on 12.01.2018, the learned counsel for the second party workman Adv. Kajal L. Kalwani stated that the workman has not been in her contact since long period.
3. Thus it appears that the second party workman is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party with the observation as under: “the action of the management of Sub-Divisional Officer, Phones, Surendranagar in terminating the services of Shri Ghanshyam R. Bhagat is legal and justified.

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2018

**का.आ. 303.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, मुख्य महाप्रबंधक, दूरसंचार जिला, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात) और अन्य एवं उनके कर्मचारी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, अहमदाबाद के पंचाट [संदर्भ (सीजीआईटीए) संख्या 333/2004] को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01.02.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/274/2000-आईआर (डीयू)]

राजेंद्र जोशी, उप निदेशक

New Delhi, the 7th February, 2018

**S.O. 303.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award [Ref. (CGITA) No. 333/2004] of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Chief General Manager, Telecom District, Khanpur, Ahmedabad (Gujarat) & Other and their workman, which was received by the Central Government on 01.02.2018.

[No. L-40012/274/2000-IR (DU)]

RAJENDRA JOSHI, Dy. Director

### ANNEXURE

### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AHMEDABAD

#### Present :

Pramod Kumar Chaturvedi,  
Presiding Officer, CGIT-cum-Labour Court,  
Ahmedabad,  
Dated 23<sup>rd</sup> January, 2018

**Reference: (CGITA) No. 333/2004**

1. The Chief General Manager,  
Telecom District, Khanpur,  
Ahmedabad (Gujarat)
2. The General Manager,  
Telecom District,  
Nadiad (Gujarat)
3. The Sub-Divisional Officer (T),  
Telephone Exchange, Cambay,  
Kheda (Gujarat) – 387411

...First Party

V/s

The Org. Secretary,  
The Association of Railway & Post Employees,  
15, Shashi Apartments, Opp. Anjali Cinema,  
Vasna Road, Ahmedabad (Gujarat)

...Second Party

For the First Party : Shri N.K. Trivedi

For the Second Party : Shri R.C. Pathak

**AWARD**

The Government of India/Ministry of Labour, New Delhi by reference adjudication Order No. L-40012/274/2000-IR(DU) dated 29.08.2000 referred the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Ahmedabad (Gujarat) in respect of the matter specified in the Schedule:

**SCHEDULE**

“Whether the action of the management of Telecom Deptt. in terminating the services of Shri Vishram Patrum w.e.f. 01.10.1994 is fair and just? If not, to what relief the workman is entitled?”

1. The reference dates back to 29.08.2000. Both the parties were served. The second party submitted the statement of claim Ex. 7 on 19.06.2002 before Industrial Tribunal, Ahmedabad and the first party submitted the written statement Ex. 10 on 27.08.2003 along with number of documents vide list Ex. 11 that too before the Industrial Tribunal, Ahmedabad. The second party also submitted the documents vide list Ex. 12.
2. The second party moved an application Ex. 15 for production of documents by the first party on 05.03.2009. In response to that application, the first party submitted the documents vide list Ex. 16 on 05.03.2009. The second party also submitted the documents vide list Ex. 20 on 20.11.2017 but since then the second party has not been leading evidence despite giving dozen of opportunities and being given last opportunity on 29.06.2017 and also on 21.11.2017.
3. Today on 23.01.2018, the case is listed for evidence of second party workman but his advocate stated in writing that the workman has not been in his contact, therefore, unable to lead evidence. Thus it appears that the second party is not willing to prosecute the reference.
4. Thus the reference is disposed of in the absence of the evidence of the second party with the observation as under: “the action of the management of Telecom Deptt. in terminating the services of Shri Vishram Patrum w.e.f. 01.10.1994 can be said to be fair and just.”

P. K. CHATURVEDI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 2018

**का.आ. 304.**—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मैसर्स एलएमजे लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं. 1, दिल्ली के पंचाट (संदर्भ सं. 100/2017) को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 08.02.2018 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/28/2016-आईआर (बी-1)]

रवि कुमार, अनुभाग अधिकारी

New Delhi, the 8th February, 2018

**S.O. 304.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 100/2017) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of M/s. LMJ Logistics Pvt. Ltd. and their workmen, received by the Central Government on 08.02.2018.

[No. L-41012/28/2016-IR (B-I)]

RAVI KUMAR, Section Officer

#### ANNEXURE

**BEFORE PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT No.1, DELHI**

**ID No.100/2017**

Shri Wakil Ahmad S/o Shri Nisar Ahmad,  
191, Janta Jeevan Camp, C-43, Okhla Phase-2,  
New Delhi

...Workman

#### **Versus**

M/s. LMJ Logistics Pvt. Ltd.  
54/2&3, Hanuman Lane, Connaught Place,  
New Delhi – 110 001

...Management

#### AWARD

Central Government, vide letter No.L-41012/28/2016-IR(B-I) dated 24.04.2017, referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the demand of the union for reinstatement of the services of the workman, i.e. Shri Wakil Ahmad S/o Nasir Ahmad is justified and if yes, what relief the workman is entitled to and what direction are necessary in this respect?

2. In the reference order, the appropriate Government commanded the party/ies raising the dispute to file statement of claim, complete with relevant documents, list of reliance and witnesses with this Tribunal within 15 days of receipt of the reference order and to forward a copy of such statement of claim to the opposite parties involved in the dispute. Despite directions so given, Shri Wakil Ahmad opted not to file his claim statement with the Tribunal.

3. On receipt of the above reference, notice was sent to the workman as well as the managements. Neither the postal article, referred above, was received back nor was it observed by the Tribunal that postal services remained affected in the period, referred above. Therefore, every presumption lies in favour of the fact that the above notice was served upon the workman. Despite service of the notice, the workman opted to abstain away from the proceedings. No claim statement was filed on his behalf. Thus, it is clear that the workman is not interested in adjudication of the reference on merits.

4. Since the workman has neither put in his appearance nor has he led any evidence so as to prove his cause against the management, as such, this Tribunal is left with no choice, except to pass a ‘No Dispute/Claim’ award. Let this award be sent to the appropriate Government, as required under Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, for publication.

Dated : January 24, 2018

A. C. DOGRA, Presiding Officer